

8
बीर

23-5-18

पत्राक्षी पेय डडी | कबील पार्सी

रूप। उरुपार्सी तहसीलदार मुखलगद
उपु व उवाव पार्सी वर उपरुत
किम जा शास्त्रि पत्राक्षी विण।

पार्सी मुख्य अउरुगेष ग्राह लेखपुरा
के शक्ति ख नं. 646, 647, 648 व
ग्राम कोरुगेषि के वानी ख नं. 402,
1754, 1777, 1778, 753, 754, 755 में

नाम दीप किं पुत्र पुगन किं के स्वानप
द्वितीय किं पुत्र पुगन किं दर्ज कर
शुद्ध रूपे जाने का चला है।

तहसीलदार मुखलगद द्वारा उपरुत
रिपोर्ट में पार्सी का नाम द्वितीय किं
केना स्वीकार किया है व हीन स्तिर के
स्वानप द्वितीय किं पिता पुगन किं
दुदक करने के अतिश्रांका है।

पार्सी द्वारा एलाकेजात रूपे

में ग्राह पत्राक्षी चिरागा का पुगन वर
कापालिप मुख्य उपरुत राजत्यान रानुप
पुप परिवहन नि कु-कुड का कापालिप
आदेश व उचित पुगन वर तथा
परिवार रयान कार्ड के आकाशाह वर के
कोरो ड रि उपरुत है।

उक्त एलाकेजात के तहसीलदार
रिपोर्ट तथा पत्राक्षी के कलंग उगाक्षी

संवत् 2067-70 का ~~ग्राहक~~ बागोटिया की
 टानी व धीका की टानी संवत् 2071-74
 का उपलक्षण किया।

ग्राहक बागोटिया की टानी की (जमाव) संवत् 2067-70 के खाता क्र 78,172 व धीका की टानी संवत् 2071-74 के खाता क्र 64 में धारियों का नाम दीप सिंह पुत्र सुगन सिंह के रूप में दर्ज है जबकि जलान देवराजेश्वर में दिल्लीप सिंह पुत्र सुगन सिंह हैं। अतः धारियों का धारणा क्र आरक्षण धारा 136 स्थानांतरण जाता है। धारियों का उल्लेखित खाते में नाम दीप सिंह के स्थान पर दिल्लीप सिंह पुत्र सुगन सिंह किया जाने हेतु तहसीलदार नवलगढ़ को आदेशित किया जाता है उक्त उक्त तहसील शायी हो। फर्मावली प्रसल युगा होकर नवलगढ़ के वकिलों को तहसील नवलगढ़ दखिल दफ्तर को फंडला आन दिनांक 23-5-18 को खुले जामाल (डिगि) नवलगढ़ में हुनापा गया।


 उपखण्ड अधिकारी
 नवलगढ़